Dainik Savera

'डाटर्स ऑफ लैगेसी' में एम.बी.डी. ग्रुप की ज्वाइंट मैनेजिंग डायरैक्टर सोनिका मल्होत्रा चिन्हित

इंटरनैशनली सर्टीफाइड लाइफ कोच रिंकू पॉल व पूजा सिंघल की प्रकाशित पुस्तक है 'डाटर्स ऑफ लैगेसी'

पुस्तक में 12 सफल कारोबारी महिलाओं के जीवन की उपलब्धियों को सफर को किया गया है जिक्र

जालंधर, 31 जुलाई (सतीश शर्मा): इंटरनैशनली सर्टीफाइड लाइफ कोच रिंकू पॉल व पूजा सिंघल की प्रकाशित पुस्तक 'डाटर्स ऑफ लैगेसी' ने देश की कुल 12 सफल महिलाओं को चिन्हित किया है। 'डाटर्स ऑफ लैगेसी' पुस्तक में उन महिलाओं का जिक्र है, जिन्होंने अपनी विरासत को बेहद शिद्दत व चुनौतीपूर्ण तरीके से संभालते हुए देश-विदेश में मान-सम्मान व प्रतिष्ठा हासिल की है। 'डाटर्स ऑफ लैगेसी' में विश्व के जाने-माने ग्रुप एम.बी.डी. ग्रुप की ज्वाइंट मैनेजिंग डायरैक्टर सोनिका मल्होत्रा को भी चिन्हित किया गया है। 'डाटर्स ऑफ लैगेसी' में सोनिका मल्होत्रा का चुना जाना, अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। ऐसी ही कुछ सफल कारोबारी महिलाओं ने पत्रकारों से बातचीत की।

'डाटर्स ऑफ लैगेसी' की लेखक रिंकू पॉल, दिव्या मोदी व एम.बी.डी. ग्रुप की ज्वाइंट मैनेजिंग डायरैक्टर सोनिका मल्होत्रा पत्रकारों को जानकारी देती हुई तथा (दाएं) एम.बी.डी. ग्रुप की मैनेजिंग डायरैक्टर मोनिका मल्होत्रा, ज्वाइंट मैनेजिंग डायरैक्टर सोनिका मल्होत्रा, ग्रुप की चेयरपर्सन सतीश बाला मल्होत्रा व अन्य।

एम.बी.डी. ग्रुप की ज्वाइंट मैनेजिंग डायरैक्टर सोनिका मल्होत्रा ने इस उपलब्धि पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पुश्तैनी कारोबार में एक अलग तरह की चुनौतियां पेश आती हैं। हर किसी की आपसे बहुत ज्यादा अपेक्षाएं होती हैं। ऐसी स्थिति में आपको नर्वस होने की बजाय लोगों की कसौटी पर खरा उतरने को प्रयासरत होना चाहिए। हमें अपने अगले स्तर तक आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। जो न केवल हमें लाभ पहुंचाए, बल्कि साथ चल रहे लोगों को भी लाभ पहुंचाए।

स्मार्ट ग्लोबल ग्रुप की को-फाऊंडर दिव्या मोदी ने बताया कि आपको पुश्तैनी कारोबार में इस सोच के साथ आना चाहिए कि हमने यह बिजनैस शुरू नहीं किया, मगर मुझे एक ऐसा मौका मिला है कि मैं इसे किस तरह और आगे बढ़ा सकती हूं। अब तक के प्रयासों में मैं पूरी तरह से कामयाब भी रही हूं। हालांकि, जीवन का यह सफर बेहद चुनौतीपूर्ण था। बावजूद इसके मैं अपने इन प्रयासों में काफी हद तक कामयाब रही हूं। किताब की दूसरी कहानियों में 'फ्यूचर ग्रुप की चीफ ऑडीटर' अशनी बियानी का कहना है कि वह खुद को बिजनैस के को-क्रिएटर के रूप में देखती हैं। किरलोस्कर सिस्टम लि. की एग्जीक्यूटिव डायरैक्टर और सी.ई.ओ. मानसी किरलोस्कर मानती हैं कि एक बड़े व्यवसाय को विरासत में प्राप्त करने के लिए बेहद विशेषाधिकार प्राप्त हैं, लेकिन यह भी डर सताता है कि अगर आप सक्षम नहीं हैं, तो रातों रात सबकुछ खो भी सकते हैं।

थर्मेक्स ग्लोबल की नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरपर्सन मेहर पदमजी ने स्वीकार किया कि कभी-कभी महसूस कर सकती हैं कि विरासती कारोबार का बोझ इस अहसास की ऊंची एड़ी के साथ आता है कि कोई भी ऐसा नहीं कर सकता है जो किसी को भी सर्वश्रेष्ठ देने के अलावा कर सकता है। इन महिलाओं ने न केवल विरासत को जीवित रखा है, बल्कि अपने प्रसिद्ध नामों से हटकर खुद के लिए एक विशिष्ट स्थान बनाने को भी कदम आगे बढ़ाए हैं। स्पष्ट रूप से उन सभी के लिए विरासत केवल उत्तराधिकार से कहीं अधिक है।

जालंधर सवेरा Wed, 01 August 2018
dainiksaveratimes.epapr.in/c/30826261